Fourteenth Loksabha

Session : 6
Date : 15-12-2005

Participants : Pradhan Shri Dharmendra

an>

Title : Need to resolve water dispute between Orissa and Andhra Pradesh over Banshadhara Project.

श्री धर्मेन्द्र प्रधान (देवगढ़) : उपाध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सरकार के सामने एक विाय रखना चाहता हूं। वंशधारा नदी उड़ीसा से बहती हुई आंध्र प्रदेश की ओर जाती है और फिर वहां से उड़ीसा होती हुई समुद्र में मिलती है। साठ के दशक में दोनों प्रदेशों में एक समझौता हुआ था कि वंशधारा के पानी का कैसे बंटवारा किया जाएगा। जब से आंध्र प्रदेश में नयी सरकार आई है तब से जानबूझकर दोनों प्रदेशों के अंदर तनाव बढ़ाने के लिए, राजनैतिक उद्देश्य से वंशधारा पर एक नये बांध की परिकल्पना हो रही है। पिछले 6 महीने पहले उड़ीसा के लोक सभा और राज्य सभा के सभी माननीय सदस्यों ने माननीय जल संसाधन मंत्री जी, जो आज संसदीय कार्य मंत्री हैं के सामने इस मसले को प्रस्तुत किया था। संसदीय कार्य मंत्री जी ने दोनों प्रदेश सरकार के प्रतिनिधियों को बुलाया। आंध्र प्रदेश की ओर से कोई नहीं आया। साठ के दशक में यह समझौता हुआ था और आज यह इंटर-स्टेट मामला है, दो प्रदेशों के हित का मामला है। चार-पांच दिन पहले आंध्र प्रदेश की माननीय रैवेन्यू मंत्री जी जाकर वंशधारा स्टेज-II की फाउंडेशन के लिए पहुंचे थे। उस पर आंध्र प्रदेश की जनता का भी विरोध है, जो लोग वहां से डिस-प्लेस हो रहे हैं उनका भी विरोध है और उड़ीसा का भी विरोध है। जब ऐसा विरोधी भाव है और उसका समाधान करने के लिए केन्द्र सरकार ने हस्तक्षेप किया है तब ऐसे विाय पर पुनः ऐसा करना, संविधान के खिलाफ है, देश हित के खिलाफ है।

मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से निवेदन करुंगा कि पुनः केन्द्र सरकार इस मामले में हस्तक्षेप करे और उस काम को रुकवाए।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Kharabela Swain please.

SHRI KHARABELA SWAIN : I would not like to raise my issue now because the Minister concerned is not present here.

SHRI BIJOY HANDIQUE : Sir, I do not know the details of the particular issue that he wanted to raise. So, I will not be able to respond.

SHRI KHARABELA SWAIN : I am not raising the issue, since the Leader of the House is not present here, I am not raising the issue.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Haribhau Rathod please. Even though your notice came late, I am giving you a chance.